दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–4)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/22 (O-A)–M–GSM (P-III)-2304	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Payal Gurwani | Mobile Number: ____

Medium (English/Hindi): Hindi | Reg. Number: ____

Center & Date: Mukharjee nagar 11 July 2023 | UPSC Roll No. (If allotted): 0845817

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बारह** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

अभिरुचि (Aptitude) - आपकी किसी मानसिक या भौतिक विषय में योग्यता या क्षमता होती है जिसे पर्याप्त प्रशिक्षण द्वारा और मजबूत किया जा सकता है।

उदाहरण - सचिन तेंदुलकर में क्रिकेट के प्रति अभिरुचि थी जिसे प्रशिक्षण ने उन्हें विश्व के महान बल्लेबाज बनने में सहायता की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. (a) अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है? (150 शब्द) 10

What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence? (150 Words) 10

अभिरुचि

अभिवृत्ति किसी विषय, व्यक्ति के प्रति आपके सकारात्मक या नकारात्मक विचार या प्रतिक्रिया का होना है।

उदाहरण के लिये - आपको मीठा खाना बहुत पसंद है तो सामने मिठाई आने पर आप उस मिठाई की अच्छी विशेषता और लाभ बताएंगे।

अभिरुचि और रुचि में संबंध

किसी विषय में योग्यता और प्रशिक्षण से और बेहतर हो जाती है

अभिरुचि	रुचि
अभिरुचि में संज्ञानात्मक, भावात्मक और व्यवहारात्मक तीनों घटक होते हैं	→ रुचि में संज्ञानात्मक घटक आंशिक होता है
हमेशा रहती है।	→ समय मिलने पर ही
→ सर्वांगीण विकास हेतु	→ किसी एक दिशा में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उदा०- खेल के प्रति सकारात्मक सोच	→ विशेषता : बैडमिंटन खेलने में रुचि।

योग्यता क्षमता + प्रशिक्षण से प्राप्ति

अभिरुचि	कौशल
→ किसी विषय के प्रति विचार, भाव और व्यवहार	→ उस विषय के प्रति दक्षता और निपुणता
	→ ~~इसका संबंध~~
→ योग्यता परन्तु प्रशिक्षण की आवश्यकता	→ प्रशिक्षण द्वारा कौशल का विकास
उदाहरण- कम्प्यूटर इंजी० बच्चे की अभिरुचि	प्रशिक्षण द्वारा कम्प्यूटर चलाना सीखना।

अभिरुचि	बुद्धिमत्ता
यह आपकी योग्यता और क्षमता होती है	इसमें मानसिक योग्यता का अधिक महत्व होता है।
→ इसमें मानसिक + भौतिक + शारीरिक सभी क्षमताओं का मूल्यांकन	→ अभिरुचि की सफलता में सहायक होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) "आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं"। आप इस उद्धरण से क्या समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

"It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude". What do you understand by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अभिवृत्ति से आशय आपका किसी विषय या व्यक्ति के प्रति विचार, भाव और व्यवहार का होना है। यह सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है।

जबकि अभिरुचि किसी कार्य को करने की क्षमता होती है जिसे ~~और~~ अधिक प्रशिक्षण के माध्यम से बेहतर बनाया जा सकता है।

"आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं।"

उदाहरण के लिये आपको क्रिकेट खेलना पसंद है आपकी क्रिकेट खेलने में अभिरुचि भी परन्तु आपकी अभिवृत्ति खेल या क्रिकेट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के प्रति नकारात्मक है यदि आप यह सोचते है कि खेलों का महत्व पढ़ाई से कम है और पढ़ाई के प्रति सकारात्मक रवैया और खेलों के प्रति नकारात्मक तो आप कभी भी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायेंगे।

अत: आपकी सफलता और उत्तम प्रदर्शन हेतु केवल उस कार्य में अभिरुचि होना ही काफी नहीं है अपितु उस कार्य के प्रति आपकी अभिवृत्ति कैसी है यह होना भी मायने रखता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. (a) "आचार संहिता" एवं "नीति संहिता" के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्त्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the distinction between a "code of conduct" and a "code of ethics"? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each. (150 Words) 10

प्रत्येक संगठन, कार्यालय में कार्य संस्कृति के सुसंचालन होने और लोक सेवकों के अनुशासन हेतु आचार संहिता और नीति संहिता होना आवश्यक होना है।

अंतर

आचार संहिता	नीति संहिता
यह ऐसे नियमों की सूची होती जिसमें आपके आचरण, व्यवहार, अनुशासन को महत्व दिया जाता है।	→ इसमें मुख्यत: नैतिक मूल्यों को महत्व दिया जाता है।
→ इसका पालन अनिवार्य होता है।	→ स्वैच्छिक
→ विधिक नियम	→ वैधानिक नहीं, अनौपचारिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

– वस्तुनिष्ठ नियमों की सूची	आत्मनिष्ठता आधिक
→ अच्छा कार्य संस्कृति हेतु	→ सेवकों के नैतिक उत्सर्ग हेतु
महत्व	**महत्व**
→ कार्यालय में अनुशासन	→ व्यवसाय में नैतिकता
→ सफलता दर में वृद्धि	→ विश्वसनीयता में वृद्धि
→ सुशासन की स्थापना	→ नैतिक शासन की स्थापना
→ अच्छी कार्य संस्कृति	→ नैतिक व्यवस्था

प्रासंगिकता

वर्तमान में रोजगार हेतु औपचारिक और अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों में कार्यदक्षता, पारदर्शिता, जवाबदेहिता और सेवा के प्रति समर्पण हेतु आचार संहिता और नैतिक संहिता दोनों की ही आवश्यकता है। जहाँ आचार संहिता अनुशासन बद्ध बनाती है तो नीति संहिता नैतिकता का विकास करती है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान दौर में बढ़ते इन्टरनेट के प्रयोग द्वारा सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन गया है जहाँ लोग अपने कृत्यों से लोगों को प्रभावित करने में लगे हैं।

अनामिकता – यह ऐसा गुण होता है जिसमे सिविल सेवक अपने द्वारा किये गये कार्यों का सार्वजनीकरण नहीं कर सकते अपितु इसका श्रेय सरकार को दिया जाता है।

उदाहरण- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के किसी कार्यक्रम के तहत सिविल सेवक द्वारा किया गया कार्य।

लोकसेवा में महत्व – ① कार्यपालिका सरकार के प्रति उत्तरदायी शासन की स्थापना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

① सिविल सेवकों में अनुशासन हेतु
② जनता के विश्वास को बनाये रखने हेतु
③ समाज में उचित संदेश देने हेतु

निष्पक्षता - इसके तहत बिना किसी पूर्वाग्रह, विचार, परम्परा, रीतिरिवाज से प्रभावित हुए बिना, किसी विषय पर निष्पक्ष होकर निर्णय लेना।

उदाहरण - किसी योजना ~~[illegible] सड़क परियोजना~~ की के लाभार्थियों के बीच बिना भेदभाव के निष्पक्ष रूप से वितरण।

लोकसेवा में महत्व

(1) जवाबदेहिता और पारदर्शिता हेतु
(2) लोगों का विश्वास शासन में
(3) आत्मसंतुष्टि
(4) समानता के अधिकार को बढ़ावा

अर्थात् सत्यनिष्ठता और निष्पक्षता मूलभूत विशेषताएँ हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "आप अकसर अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित करके अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं।" - एलेनोर रूजवैल्ट (150 शब्द) 10

"You can often change your circumstances by changing your attitude." — Eleanor Roosevelt (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अभिवृत्ति से आशय आपकी किसी विषय या व्यक्ति के प्रति विचार, भाव और व्यवहार का होना है। यह सकारात्मक भी हो सकते हैं या नकारात्मक भी।

उदाहरण - सिविल सेवा के प्रति सकारात्मक विचार आपका इसपर विश्वास बढ़ाता है।

इसके साथ ही अभिवृत्ति का जीवन में बहुत महत्व है।

आप अकसर अभिवृत्ति परिवर्तित कर अपनी परिस्थिति बदल सकते हैं।

एलेनोर रूजवेल्ट का यह कथन,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सत्य है कि कोई भी व्यक्ति किसी ~~विषय~~ परिस्थिति के प्रति अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित कर उस परिस्थिति को ही बदल सकते हैं।

उदाहरण के रूप में -

यदि आपकी गणित विषय के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति है आपको गणित के प्रश्नों से डर लगता है परन्तु किसी अच्छे शिक्षक के सम्पर्क में आने के बाद आपको गणित के आधारभूत सिद्धांत समझ आते और और आपकी इस विषय में रूचि बढ़ती है और आपकी अभिवृत्ति गणित के प्रति सकारात्मक हो जाती है और साथ ही आप कक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त करते हो। अतः गणित में आपकी परिस्थिति अब मजबूत हो जाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है" - सैमुअल जॉनसन (150 शब्द) 10

"Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." Samuel Johnson. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिविल सेवा परीक्षा, जिसमें किसी भी उम्मीदवार के चयन हेतु जहाँ प्रीलिम्स और मैन्स परीक्षा में ज्ञान का मूल्यांकन किया जाता है तो वहीं इण्टरव्यू में सत्यनिष्ठा और ईमानदारी जैसे मूल्यों का। अतः दोनों ही मूल्य आवश्यक होते हैं।

परन्तु दोनों में किसका महत्व अधिक है इसका निर्धारण इस प्रकार होता है।

> ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर और व्यर्थ है परन्तु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है।

सैमुअल जॉनसन के इस कथन के अनुसार यदि आपमें ज्ञान की कमी है तो हो सकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आपमें सत्यनिष्ठा जैसे मूल्य कमजोर हों।

उदाहरण - छोटी सी किराना दुकान वाला एक छोटे से लाभ के लिये सामान कम ज्यादा कर देता है। क्योंकि उसके पास नैतिक संहिता और उच्च ज्ञान की कमी है।

परन्तु यदि आपके पास ज्ञान की मात्रा बहुत अधिक और सत्यनिष्ठा नहीं है तो यह स्थिति बड़े संकट को उत्पन्न कर सकती है।

उदाहरण - ओसामा बिन लादेन पेशे से इंजीनियर थे परन्तु उन्होंने अपने ज्ञान का उपयोग बम और हथियार बनाने में किया।

इसी प्रकार सिविल सेवकों में भी परीक्षा पास करने के बाद यदि सत्यनिष्ठा नहीं होती तो भ्रष्टाचार और घोटाले जैसे संकट उत्पन्न होते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "मुझे केवल भावना की परवाह है – जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो जाएगा"। स्वामी विवेकानंद। (150 शब्द) 10

"I care only for the spirit – when that is right, everything will be righted by itself." Swami Vivekanand. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मनुष्य की भावना की शुद्धता (आत्मा की शुद्धता) उसकी सफलता के निर्धारण में महत्वपूर्ण होती है।

यदि आपकी भावना सकारात्मक गुणों से उत्पन्न है तो आप असंभव कार्य को भी संभव बना सकता है परन्तु यदि आत्मा नकारात्मक गुणों से सम्पन्न है तो आप असफल हो सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद जी का उपर्युक्त कथन आज के युग में अति प्रासंगिक कथन है। जो वर्तमान युवा वर्ग को सही दिशा दिखाने हेतु महत्वपूर्ण है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यदि आपकी भावना सही है तो आपका किसी भी विषय या व्यक्ति के प्रति व्यवहार में सही होगी और व्यवहार सही होने पर आपके निर्णय सभी के हित में होंगे।

उदाहरण के लिये -

यदि किसी सिविल सेवक की वंचित दलित वर्ग के प्रति सहानुभूति की भावना है तो उसमें निष्पक्षता, सेवा भाव, परोपकार, दया, करूणा जैसे गुण अपने आप उत्पन्न होंगे और वह उस वर्ग के उत्थान के लिये समर्पित होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. (a) कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता में अपने विचारों के समझने के साथ ही दूसरे के विचारों, भावनाओं को समझने की क्षमता को ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहते हैं।

उदाहरण के लिये - किसी गरीब भूखे बच्चे को बिस्कुट की तरह देखते हुए से ही पहचान जाना कि वह भूखा है और उसके पास पैसे नहीं है।

कार्य स्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता

(1) यह अच्छी कार्य संस्कृति को उत्पन्न करती है।

(2) संघर्ष को कम करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(3) परस्पर सम्मान की भावना (1)

(4) सफलता की दर (1)

कार्य में सुगमता बढ़ती है।

गत्यात्मकता

→ नवाचार को बढ़ावा

→ नए विचारों का सम्मान बढ़ना, स्वीकृति

→ सहिष्णुता से सफलता बढ़ती है।

सहकारिता

→ परस्पर सम्मान से सहयोग

→ भागीदारी बढ़ती है।

→ टीम वर्क को बढ़ावा

संघर्ष समाधान

→ विवाद कम होंगे

→ विरोधी विचारों को भी सुनने की क्षमता

→ आपसी विश्वास में वृद्धि हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with corporate governance in India. (150 Words) 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस से आशय है कि कम्पनियों में भी अपने सभी शेयरधारकों के साथ ही हितधारकों जैसे- कम्पनी के उत्पादों एवं सेवा से प्रभावित होने वाले ग्राहकों, समाज, पर्यावरण के प्रति भी हित भावना।

विशेषता

→ आचार संहिता और नैतिक संहिता का पालन

→ अच्छी कार्य संस्कृति

→ नैतिक मूल्यों का महत्व

→ परस्पर विश्वास और सहयोग

→ अनैतिक व्यवहार पर रोक

→ सभी हितधारकों की रक्षा → उदाहरण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निगमित शासन में लाभ के साथ नैतिक दायित्वों के प्रति सत्यनिष्ठा का पालन होना है जिससे सहिष्णुता, दया, सहानुभूति आदि मूल्यों को भी प्रेरित किया जाता है जो सभी के हितों की रक्षा करते है।

उदा॰ सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के माध्यम से।

नैतिक मुद्दे

→ कम्पनी द्वारा अत्यधिक लाभ हेतु गलत उत्पादों की बिक्री

→ उपभोक्ता की शिकायतों को नजरअंदाज करना

→ पर्यावरण प्रदूषण।

→ उत्पादों के दुष्प्रभाव में क्षतिपूर्ति के लिये उदासीनता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (a) नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नैतिक दुविधा, किसी दो नैतिक विचारों, या एक नैतिक विचार और एक अनैतिक विचार में किसी एक को चुनने का द्वंद्व होना है।

इस स्थिति में निर्णय लेना आवश्यक होता है परन्तु दुविधा होती है कि किस विकल्प को चुना जाये जो अधिक सकारात्मक हो।

उदाहरण - राजस्थान जैसे सूखा ग्रस्त इलाके में पेयजल हेतु प्लांट लगाया जाये या भूजल संरक्षण को महत्व दिया जाये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सार्वजनिक संस्थानों में :

(1) किसी गरीब व्यक्ति जिसके पास दस्तावेज नहीं है परन्तु वह योजना पाने के लिये योग्य है तो योजना का लाभ दिया जाये या नहीं।

नैतिक दुविधा

(2) किसी कर्मचारी की पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं है उसने चोरी से रिश्वत ली तो, उजागर करें या माफ कर दें।

(दुविधा)

(3) उच्च अधिकारियों के भ्रष्टाचार में संलग्नता के प्रति आवाज उठाना या शांति के साथ उस व्यवस्था का भागीदारी बन जाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये: (150 शब्द) 10
Write short notes on the following in 30 words each: (150 Words) 10

(i) नैतिक प्रशासन / Ethical Governance
(ii) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication
(iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector
(iv) सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion
(v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(1) नैतिक प्रशासन – प्रशासन के संचालन में नैतिक मूल्यों जैसे– सत्य-निष्ठा, ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता का पालन करना।

उदाहरण – सिविल सेवकों द्वारा सरकारी वाहनों का स्वहित में उपयोग न करना।

(2) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा – आचार संहिता और नियम कानूनों का निष्पक्ष होकर पालन। जिसमें कोई आत्मनिष्ठता न हो।

उदाहरण – आरक्षण देने में।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(3) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ

→ लाभ को अधिक महत्व
→ कर्मचारी का शोषण
→ काम के हिसाब से वेतन कम
→ कर की चोरी
→ उत्पादों में मिलावट

(4) सहानुभूति और करुणा

किसी वंचित वर्ग की स्थिति को समझना परन्तु अंतराल बना रहे। केवल संज्ञानात्मक ज्ञान होना

उदाहरण- गरीब को देखकर पैसे दे देना

करुणा में, एहसास भी शामिल होता है। दुख का संवेग अधिक होता है।

(5) सूचना का अधिकार अधि० 2005-

अनु० 19 के तहत प्राप्त
→ पारदर्शिता, जवाबदेहिता ↑
→ जनता की भागीदारी ↑
→ लोकतंत्र की स्थापना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

6. (a) शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्त्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय हैं? (150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

ईमानदारी से आशय है कि किसी भी स्थिति में अपने मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों का पालन करना।

उदाहरण- गलती करने में गलती को स्वीकार करना और दण्ड प्राप्त करने से पीछे न हटना।

शासन में ईमानदारी के उद्देश्य/महत्व

→ सत्यनिष्ठा के निर्माण में
→ विश्वास बढ़ाने में
→ साख सृजन में
→ भ्रष्टाचार कम करने में
→ अनुशासन की स्थापना में
→ लोकसेवा (↑)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपाय

→ प्रशिक्षण द्वारा

→ परस्पर विचारों के आदान-प्रदान से

→ बड़े नैतिक अधिकारियों के संपर्क से

→ उदाहरण या रोलमॉडल द्वारा

→ किताबें पढ़कर

→ फिल्म के माध्यम से

→ सेमिनार

→ कार्य के बीच अल्पकालिक प्रशिक्षण

अतः उपरोक्त उपायों द्वारा ईमानदारी के गुण में वृद्धि की जा सकती है। जो लोक प्रशासन का बुनियादी गुण है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोकसेवकों को नीति के कार्यान्वयन हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है क्योंकि इनका मुख्य कार्य वंचित वर्गों की भावना और आवश्यकता को समझना और सेवा प्रदान करना होता है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता

→ स्वयं के विचारों, भावों को समझना व महसूस करना, पहचानना

→ दूसरों के विचारों भावों को समझना, पहचानना और महसूस करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महत्व

→ वंचित गरीब लोगों की भावनाओं को पहचानने में

→ विश्वास सृजन में

→ बेहतर काम करने में

→ लोकतंत्र की स्थापना

→ योजनाओं की सफलता में

उदाहरण - लोकसेवकों को मुख्यत: हाशिये में खड़े लोगों को सेवा प्रदान करना होता है अत: इस काम की सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. आपको उस राज्य के एक ज़िले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन के अधिकतर मामले कभी भी न्यायालय या पुलिस तक नहीं पहुँचते हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार ज़िले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजरे हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये

(b) आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(c) इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above situation

(b) What are the ethical dilemmas being faced by you?

(c) What step will you take in this situation?

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मामला – खनन रोककर पर्यावरण की सुरक्षा या खनन जारी रखकर आत्मसुरक्षा और रोजगार को बढ़ावा।

हितधारक

→ पुलिस अधीक्षक –
→ डी.एस.पी –
→ न्यायालय
→ पुलिस
→ स्थानीय विधायक
→ मजदूर वर्ग
→ पर्यावरण
→ समाज
→ जैवविविधता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नैतिक दुविधाएँ

1) पर्यावरणीय नैतिकता बनाम आर्थिक विकास
2) पर्यावरण संरक्षण बनाम रोजगार सृजन
3) साहस बनाम तटस्थता
4) व्यावसायिक नैतिकता बनाम अवैध कार्यों की मौन स्वीकृति
5) पारदर्शिता बनाम गोपनीयता
6) जैवविविधता और अरावली का संरक्षण बनाम मजदूरों की आजीविका की सुरक्षा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मेरा कदम

(1) सर्वप्रथम मैं स्थानीय लोगों से प्रत्यक्ष रूप से संवाद कर स्थानीय आवश्यकता और सुरक्षा का पता करूंगी।

(2) चूँकि अवैध खनन न केवल पर्यावरण अपितु मजदूरों के लिये भी कार्य सुरक्षा के लिये दुर्योनीशण है।

अतः

(3) चूँकि इस कार्य में स्थानीय विधायक और अधिकारी भी शामिल हैं। जो क्रोनी कैपिटलिज्म और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः मैं अवैध खनन रोककर, मजदूरों को किसी और रोजगार दिलाने की कोशिश करूंगी।

- मजदूरों को कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार जैसे अन्य उपायों से अवगत कराऊंगी और सरकारी योजनाओं तक पहुँच सुनिश्चित करूंगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे ज़िले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे? (250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मामला - एम्बुलेंस का प्रयोग गलत जानकारी प्राप्त होने पर, मनमानी है या नहीं या कि जनहित और सेवा भावना से प्रेरित है।

हितधारक

पुलिस अधीक्षक
राजनीतिक नेता
दंगाई लोग
समुदाय के लोग
शिविर का अधिकारी
7 वर्षीय बच्चा

विभिन्न दृष्टिकोण

(1) अधीनस्थ की बातों को सही मानकर बिना कोई कदम उठाये, आत्म सुरक्षा हेतु मौन रहना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(२) उपरोक्त घटना की तत्कालिक कारण, वास्तविक समस्या का पता लगाना

(३) दंगा उत्पन्न करने वाले लोगों को रोकने और गिरफ्तार करने के प्रयास करना

(4) गलत जानकारी देने वाले शिविर अधिकारी की मानसिकता और गठजोड़ का पता लगाना

कार्यवाही का तरीका

(1) सर्वप्रथम उपरोक्त घटना को राष्ट्र की सुरक्षा हेतु कानूनी रूप से दर्ज कराना जिसमें कोई समुदाय समर्थित

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

या निजीलाभ नहीं हो।

(२) समुदाय की रक्षा हेतु शरणार्थी शिविर में विशेष सुरक्षा का प्रावधान

(३) स्थानीय राजनीति की गहराई से जानकारी प्राप्त करना

(4) संवैधानिक प्रक्रिया, कानून का पालन करना।

C] मेरे द्वारा ऐसे कानून और व्यवस्था को सुनिश्चित किया जायेगा क्योंकि उपरोक्त स्थान गंभीर अशांति से ग्रस्त है जहाँ कानूनी कार्यवाही ही उपयुक्त रास्ता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कारण -

- शान्ति की स्थापना
- अपराध को कम करना
- स्थानीय [illegible] लोगों को रोकने
- शरणार्थियों की रक्षा करने।
- सेवा के प्रति ईमानदारी हेतु

अतः उपरोक्त उपायों द्वारा कानूनी व्यवस्था की स्थापना की जायेगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

9\. रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्त्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की। रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के बाद भी CUET परीक्षा एक बड़ी बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा व लाभ की आवश्यकता पर ज़ोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की।

(250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?

(b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?

(c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

Rohan is a newly passed out class 12th student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

(a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?

(b) Evaluate all the options available to you?

(c) Which option would you opt for and why?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मामला - EWS प्रमाणपत्र अवैध रूप से प्राप्त करना सही या गलत ?

हितधारक - रोहन
- रमन
- रोहन और रमन के परिवार
- समाज
- कालेज
- राष्ट्र

नैतिक दुविधा

> सत्यनिष्ठा बनाम बेमानी
> ईमानदारी बनाम रिश्वतखोरी
> प्रतियोगिता का खुलापन बनाम आरक्षण का लाभ
> विद्यार्थी नैतिकता बनाम अनुशासनहीनता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

> आत्मसंतुष्टि बनाम लालच
> सत्य का साथ बनाम झूठ का साथ

अर्थात EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने में उपरोक्त दुविधाओं का सामना होगा।

विकल्पों का मूल्यांकन

(1) EWS प्रमाणपत्र बिना जाँच के प्राप्त करना

गुण - प्रवेश मिल जायेगा
- नौकरी मिल जायेगी

दोष - ईमानदारी से समझौता
- प्रवेश हेतु गलत रास्ता
- संवैधानिक नियमों के साथ खिलवाड़
- भविष्य में नौकरी का संकट जाँच पड़ताल से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(२) प्रमाणपत्र प्राप्त न कर ईमानदारी से प्रवेश लेना।

गुण - ईमानदारी की रक्षा
- मानसिक तनाव कम
- आत्मसंतुष्टि
- आरक्षण के अधिकार भी प्राप्त

दोष - प्रतिस्पर्द्धा बढ़ जायेगी
- प्रवेश नहीं मिलेगा
- भविष्य की असुरक्षा।

(६) मेरे द्वारा चुना गया विकल्प

(1) मैं EWS प्रमाणपत्र के लिये यदि पात्रता नहीं रखता तो मैं कभी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भी अवैध रास्ता नहीं अपनाऊँगा। क्योंकि भविष्य में जाँच पड़ताल से खुलासा हो ही जायेगा।

अतः मैं अपनी कड़ी मेहनत और ईमानदारी से परीक्षा की तैयारी कर CUET की परीक्षा में भाग लूँगा।

यदि मुझे मनचाहा कॉलेज न भी मिले तो मैं साधारण कॉलेज में प्रवेश कर या पुनः CUET की तैयारी करूँगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिज़ाइन में एक बड़ी खामी थी। खामी के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या "त्रुटियाँ या विफलताएँ" सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं? (250 शब्द) 20

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मामला – रवि को रिपोर्ट करना चाहिये और गलत निर्माण का खुलासा या आत्मरक्षा हेतु व्यवस्था और मौन धारण करना चाहिये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

हितधारक

1) रवि – संरचनात्मक इंजीनियर
2) निर्माण कम्पनी
3) विधायक
4) विधायक का छोटा भाई (ठेकेदार)
5) स्थानीय लोग
6) समाज
7) डाफ्र

नैतिक मुद्दे

1) व्यावसायिक नैतिकता बनाम तत्परता
2) निष्पक्षता बनाम पक्षपात
3) कर्तव्यनिष्ठा बनाम आत्मरक्षा
4) राष्ट्रहित बनाम स्वहित
5) राजनीतिक संरक्षण को बढ़ावा बनाम प्रतिक्रिया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आदर्श रूप

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रवि के पास उपलब्ध विकल्प

(1) डिजाइन की खामी को उजागर करना ही सही कार्य होगा क्योंकि पुल निर्माण एक बड़े समुदाय को प्रभावित करेगा और यदि इसमें कोई त्रुटि होगी तो यह जन और धन दोनों की हानि होगी।

गुण – राजनीतिक गठबंधन पर रोक
– सत्यनिष्ठा की रक्षा
– समुदाय की रक्षा
– सरकारी धन की सुरक्षा
– व्यवसायिकता, नैतिकता को बढ़ावा
– भ्रष्टाचार पर रोक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ए) त्रुटियाँ और विफलताओं

जानबूझकर और लाभ के उद्देश्य से की गई त्रुटियाँ मानव प्रगति को पीछे ढकेलती और आर्थिक विकास में बाधक होती है। अतः ये त्रुटियाँ और विफलताएं स्वीकार्य नहीं होगी।

वर्तमान दौर में राजनीतिक सहायकता केन्द्रम पर ठेकेदारों और नेताओं के बीच गठबंधन बनते जा रहे जो, आर्थिक विकास के लिये विकट समस्या है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. 21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गई। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाता है। अपनी माँ के कैंसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह ज़िले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेंगे और उसे सुझाव दिया कि वह घर की चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति की परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसकी दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी की पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके ज़िले के विधायक से उनकी करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लकड़ियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

(a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?

(b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों की जाँच कीजिये।

(c) मूल्यांकन कीजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed. (250 Words) 20

(a) Who are the different stakeholders involved in this case?

(b) Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.

(c) Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मामला – हाल ही में बृजभूषण जैसे विधायकों और कोच के गठबंधन द्वारा पहलवानों के शोषण का मुद्दा इस मामले को प्रासंगिक बनाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हितधारक

→ 21 वर्षीय राधिका
→ राधिका के माता पिता
→ विधायक
→ छोटा भाई (राधिका का)
→ कोच
→ अन्य प्रतिभागी पहलवान
→ श्रुति (नई नाबालिग प्रशिक्षु)
→ श्रुति का कोच
→ समाज
→ राष्ट्र

(c) राधिका की कार्यवाई की दिशा (हेतु उपयुक्त विकल्प)

+ निष्कर्ष

(a) राधिका को स्वयं और अन्य महिला प्रतिभागियों की रक्षा की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चिंता करते हुए इस मुद्दे को कानूनी रूप से सामने लाना चाहिये। क्योंकि यौन शोषण से केवल श्रुति ही नहीं अपितु अन्य कई प्रतिभागी इस समस्या से जूझ रहे थे।

~~कार्यवाही~~ निहितार्थ

(1) यौन शोषण जैसे अपराध की मौन स्वीकृति के विरुद्ध आवाज

(2) खेल नैतिकता को बढ़ावा

(3) महिला सशक्तिकरण का परिचय

(4) संवैधानिक संरक्षण को बढ़ावा

मूल्यांकन

गुण
- महिला सुरक्षा

दोष
- जीवन को खतरा
- परिवार की असुरक्षा
- भविष्य की असुरक्षा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) कार्यवाही की दिशा और निहितार्थ

(1) कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेना
→ संवैधानिक नैतिकता का परिचय

(2) सभी शोषित प्रतिभागियों को शामिल करना
→ संगठन की शक्ति का परिचय

(3) विधायकों और प्रशिक्षण कोचों की गुटबंधन और जालसाजी का पर्दाफाश करना
→ पारदर्शिता को बढ़ावा
→ स्वच्छ वातावरण का निर्माण
→ नवयुवतियों को प्रोत्साहन और सुरक्षा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. एक जिले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये जिम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मी को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।

(b) इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(c) उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above case

(b) Discuss the ethical issues involved in this case.

(c) What steps would you take in the above situation?

मामला -

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

हितधारक

→ स्कूल के बच्चे
→ स्टाफ सदस्य
→ विद्यालयी प्रशासन
→ खण्ड विकास अधिकारी
→ बच्चों के अभिभावक
→ विद्यालय कर्मचारी
→ विद्यालयी सम्पत्ति
→ ग्रामीण जनता

नैतिक मुद्दें

(1) व्यावसायिकता नैतिकता बनाम तटस्थता -
अर्थात विद्यालय कर्मचारी की नौकरी सुरक्षा को महत्व दे या

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ग्रामीण जनता को न्याय दिलाने में।

(5) प्रशासन की लापरवाही बनाम प्रशासनिक अनुशासन

खाने बनाते वक्त स्वच्छ पर्यावरण और जाँच को महत्व न देना ; प्रशासनिक अनुशासन को भंग करता है।

(6) सत्यनिष्ठा बनाम उदासीनता

चूंकि बच्चों का बीमार होना उनकी जान के लिये खतरा है अतः इस मुद्दे पर सत्यनिष्ठा का परिचय देते हुए सक्रिय कदम उठाना चाहिये न कि उदासीनता रखना होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ई) मेरा कदम

→ सर्वप्रथम बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल हेतु अस्पताल में भर्ती कराना और जाँच सुविधा प्रदान कराना।

→ फिर अभिभावकों और ग्रामीण जनता के आक्रोश को कम करने हेतु प्रत्यक्ष संवाद करना।

→ चूंकि खाने में सांप का आना जानलेवा हरकत है अतः ~~प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए~~ गहन जाँच-पड़ताल के बाद संतुलित निर्णय लेना।

→ यदि प्रशासन की गलती हो तो कानूनी सजा दिलाना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ बच्चों को हुई हानि के लिये विद्यालयी प्रशासन से प्रतिपूर्ति की मांग करना।

• अतः वर्तमान में मध्याह्न भोजन द्वारा बच्चों की बीमार होने की घटना बढ़ती जा रही है।

जो ~~कृष्टाचार~~
– लालचपूर्ण प्रीति
को प्रदर्शित करते हैं अतः कठोर कार्यवाही द्वारा लगाम लगाना आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
...act: 8750187501, 8448485517
Drishti The Vision Foundation